www.prepp.in

रक्षापालसिंह 19/3/2024

Prepp
Your Personal Exams Guide

इस प्रश्न पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।/Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : **24**
No. of Pages in Booklet : **24**
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : **150**
No. of Questions in Booklet : **150**
Paper Code : **02**

ALP-23

PAPER-II

प्रश्न पुस्तिका संख्या व बारकोड / Question Booklet No. & Barcode

1107889

SUBJECT : HINDI-II

समय : **03 घण्टे+10 मिनट अतिरिक्त***
Time : **03 Hours+10 Minutes Extra***

अधिकतम अंक : **75**
Maximum Marks: **75**

प्रश्न पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथिन बैग को खोलने पर प्रश्न पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :–

- प्रश्न पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है।
- प्रश्न पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं। समस्त प्रश्न जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/मुद्रण त्रुटि नहीं है।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरी प्रश्न पुस्तिका प्राप्त कर लें। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी। परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper the candidate should ensure that:-

- Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.
- All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above, are available and no page is missing/misprinted.

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after **five** minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है।**
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक ही उत्तर दीजिये। एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
4. **OMR** उत्तर–पत्रक इस प्रश्न पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको प्रश्न पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर–पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें। गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा।
6. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है।
7. **प्रत्येक प्रश्न के पांच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर–पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है।**
8. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो उत्तर–पत्रक में पांचवे (5) विकल्प को गहरा करें। यदि पांच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।**

9.* **प्रश्न पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. आंसर शीट जांच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है। इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।**

10. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पांच विकल्प में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा।**
11. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेज़ी रूपान्तरों में से अंग्रेज़ी रूपान्तर मान्य होगा।
12. मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है, तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए और **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022** तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों–प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. All questions carry equal marks.
3. Only one answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **BLUE BALL POINT PEN** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in OMR Answer Sheet. Candidate will themselves be responsible for filling wrong Roll Number.
6. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
7. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
8. **If you are not attempting a question, then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**

9.* **After solving the question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time is provided for this.**

10. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions shall be disqualified.**
11. If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature, then out of Hindi and English Version of the question, the English Version will be treated as standard.
12. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair means in Recruitment) Act, 2022, other law applicable and Commission's Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर–पत्रक में दो प्रतियां हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति। परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर–पत्रक की दोनों प्रतियां वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें। वीक्षक उत्तर–पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाईन से मोड़कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, **जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे। परीक्षार्थी को उत्तर–पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा मांगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी।**

Prepp⁺ Subscription
Only ~~(₹999)~~ ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

Prepp
Your Personal Exams Guide

1. ''उत्तरी भारत में रामभक्ति का जो प्रचार हुआ, उसका एकमात्र श्रेय रामानंद ही को है। रामानंद के पूर्व यद्यपि अनेक वैष्णव भक्त हो चुके थे तथापि रामभक्ति के वास्तविक आचार्य रामानंद ही समझे गए,'' – यह कथन किस विद्वान का है?
   (1) डॉ. रामकुमार वर्मा (2) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (3) परशुराम चतुर्वेदी (4) डॉ. नगेंद्र
   (5) अनुत्तरित प्रश्न
2. भक्तिकालीन हिन्दी राम साहित्य की विशेषता नहीं है –
   (1) तुलसीदास का एकाधिपत्य
   (2) विभिन्न रचना शैलियों, छंदों और साहित्यिक भाषाओं का प्रयोग
   (3) कृष्ण काव्य का प्रभाव
   (4) लोकरंजक 'रागानुराग भक्ति' का प्राधान्य
   (5) अनुत्तरित प्रश्न
3. सरहपा के प्रमुख वर्ण्य–विषयों में सम्मिलित नहीं है –
   (1) गुरु–महिमा (2) भोग–मार्ग का पूर्णतः विरोध
   (3) पाखंड–खंडन (4) सहज मार्ग
   (5) अनुत्तरित प्रश्न
4. 'पृथ्वीराज रासो' को प्रामाणिक मानने वाले विद्वान् हैं –
   (1) गौरीशंकर हीराचंद ओझा (2) मोहनलाल विष्णुलाल पण्ड्या
   (3) कविराजा श्यामल दास (4) डॉ. बूलर
   (5) अनुत्तरित प्रश्न
5. रचना और रचनाकार की दृष्टि से असंगत विकल्प बताइये –
   (1) भाग्यवती – श्रद्धाराम फुल्लौरी (2) नूतन ब्रह्मचारी – बाल कृष्णभट्ट
   (3) धूर्त रसिक लाल – किशोरीलाल गोस्वामी (4) निस्सहाय हिन्दू – राधा कृष्णदास
   (5) अनुत्तरित प्रश्न
6. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के मतानुसार, 'भक्ति आंदोलन के पूर्व सबसे शक्तिशाली धार्मिक आंदोलन', था –
   (1) गोरखनाथ का योग मार्ग (2) बौद्ध सिद्धाचार्यों की तंत्रसाधना
   (3) जैन चरितकाव्यों की परंपरा (4) शंकराचार्य का मायावाद
   (5) अनुत्तरित प्रश्न
7. खालसा, नागा, विरक्त, खाकी आदि उपसम्प्रदायों का संबंध निम्नलिखित में से किसके साथ है?
   (1) कबीर पंथ (2) दादूपंथ (3) तेरापंथ (4) नाथ पंथ
   (5) अनुत्तरित प्रश्न
8. हिन्दी और उर्दू के अनेक कवियों का विवरण वर्ण–क्रमानुसार प्रस्तुत करने का प्रथम प्रयास इनमें से किस इतिहास ग्रंथ में हुआ है?
   (1) इस्तवार द ला लितरेत्युर ऐन्दुई ऐ ऐन्दुस्तानी
   (2) द मॉडर्न वर्नेक्यूलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान
   (3) मिश्रबंधु विनोद–चतुर्थ भाग
   (4) शिवसिंह सरोज
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only ~~(₹999)~~ ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

Prepp
Your Personal Exams Guide

9. मतिराम के कृतित्व के संबंध में गलत तथ्य है –
(1) 'रसराज' श्रृंगार और नायिका भेद का ग्रंथ है।
(2) 'वृत्तकौमुदी' इनका पिंगल विषयक ग्रंथ है।
(3) 'ललितललाम' में शब्दालंकारों का वर्णन है।
(4) इन्होंने नायिका भेद का निरूपण 'रसमंजरी' के आधार पर किया है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

10. सिद्ध साहित्य के संदर्भ में असंगत है –
(1) इन रचनाओं में वज्रयान धर्म का प्रचार मिलता है।
(2) इनकी भाषा शौरसेनी अपभ्रंश के निकट की जन–बोली है।
(3) इस साहित्य की अधिकांश रचना चर्यागीतों में हुई है, तथापि इसमें दोहा, चौपाई जैसे लोकप्रिय छंद भी प्रयुक्त हुए हैं।
(4) इस साहित्य में समाज में व्याप्त रूढ़ियों और पाखंडों का खंडन किया गया है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

11. 'माधुरी' पत्रिका में सन् 1927–28 में छप रही 'पंत जी और पल्लव' लेखमाला के रचनाकार/लेखक कौन थे?
(1) महादेवी वर्मा
(2) सियारामशरण गुप्त
(3) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
(4) सोहनलाल द्विवेदी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

12. सही मेल को चुनें –
(1) वृंदावनलाल वर्मा – विराटा की पद्मिनी, गढ़ कुंडार, मुसाहिब जू
(2) चंडीप्रसाद हृदयेश – दिल्ली का दलाल, कुंडली चक्र, मृगनयनी
(3) जैनेन्द्र – सुनीता, त्यागपत्र, तितली
(4) पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र' – शराबी, फागुन के दिन चार, अमरबेल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

13. 'साठ वर्ष : एक रेखांकन' नामक आत्मकथा किसकी है?
(1) शांतिप्रिय द्विवेदी
(2) राजेन्द्र प्रसाद
(3) नगेन्द्र
(4) सुमित्रानन्दन पंत
(5) अनुत्तरित प्रश्न

14. कहानी और कहानीकार की दृष्टि से कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?
(1) नीली झील – कमलेश्वर
(2) परिंदे – निर्मल वर्मा
(3) यही सच है – उषा प्रियंवदा
(4) मलबे का मालिक – मोहन राकेश
(5) अनुत्तरित प्रश्न

15. रचना और रचनाकार की दृष्टि से कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?
(1) मूल गोसाई चरित – बेणी माधो दास
(2) भक्त नामावली – ध्रुवदास
(3) चौरासी वैष्णवन की वार्ता – कृष्णानन्द
(4) भक्तमाल – नाभादास
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

Prepp
Your Personal Exams Guide

16. 'पुष्टिमार्ग' का आधार है –

(1) शुद्धाद्वैतवाद (2) द्वैतवाद (3) विशिष्टाद्वैतवाद (4) द्वैताद्वैतवाद

(5) अनुत्तरित प्रश्न

17. 'रैदास' के बारे में कौनसा कथन गलत है?

(1) रैदास की भक्ति निर्गुण ढाँचे की जान पड़ती है।

(2) रैदास के लिखे कुल चार ग्रंथ मिलते हैं।

(3) रैदास काशी के रहने वाले माने जाते हैं।

(4) रैदास रामानंद के बारह शिष्यों में गिने जाते हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

18. जैन साहित्य के संदर्भ में असंगत विवरण है –

(1) वैष्णव अवतारों की कथाएँ भी जैन आदर्शों के आवरण में पद्यबद्ध की गई हैं।

(2) हिंदी के पश्चिमी क्षेत्र में जैन साधुओं ने अपने मत का प्रचार प्रमुखतः हिंदी कविता के माध्यम से किया।

(3) यह साहित्य प्रमुखतः रास, फागु, चरित आदि शैलियों में मिलता है।

(4) जैन मंदिरों में श्रावक लोग रात्रि के समय ताल देकर 'रासो' का गायन करते थे।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

19. "सरस्वती के संपादन–काल में उनकी प्रेरणा से बहुत से नये लोग खड़ी बोली में कविता करने लगे। उनकी भेजी हुई कविताओं की भाषा आदि दुरुस्त करके वे 'सरस्वती' में दिया करते थे।" महावीर प्रसाद द्विवेदी के बारे में यह कथन किसका है?

(1) रामचरित उपाध्याय (2) नामवर सिंह (3) हजारी प्रसाद द्विवेदी (4) रामचंद्र शुक्ल

(5) अनुत्तरित प्रश्न

20. 'अष्टछाप' के कवियों के विषय में गलत तथ्य है –

(1) आचार्य विट्ठलनाथ ने सैंकड़ों शिष्यों में से छाँटकर इन्हें अष्टछाप नाम से प्रतिष्ठित किया।

(2) इन सभी भक्त कवियों ने ब्रजवल्लभ कृष्ण की सम्पूर्ण लीलाओं पर रचना की है।

(3) कवि होने के साथ–साथ ये भक्त, अच्छे गायक भी थे।

(4) पुष्टिमार्ग में ये 'अष्टसखा' के नाम से प्रसिद्ध है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

21. 'समांतर' कहानी का आन्दोलन किसने चलाया?

(1) महीप सिंह (2) अज्ञेय (3) कमलेश्वर (4) निर्मल वर्मा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

22. मध्यकालीन सन्तों–भक्तों की वाणियों का संग्रह–ग्रन्थ नहीं है –

(1) नवल–सागर (2) गुणगंजनामा (3) सर्वंगसार (4) सर्वंगी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

Prepp
Your Personal Exams Guide

23. "नेही महाब्रज भाषा प्रवीन औ सुन्दरतानि के भेद को जानै।
जोग वियोग की रीति में कोविद भावना भेद स्वरूप को ठानै।"
ये पंक्तियाँ किस कवि के बारे में कही गई हैं?
(1) देव (2) बिहारी (3) आलम (4) घनानन्द
(5) अनुत्तरित प्रश्न

24. जीवनी साहित्य के सम्बन्ध में त्रुटिपूर्ण तथ्य है –
(1) प्यारे हरिशचन्द्र जू – प्रतिभा अग्रवाल – बाबू हरिशचन्द्र की जीवनी
(2) मरुभूमि का वह मेघ – रामनिवास जाजू – घनश्यामदास बिड़ला की जीवनी
(3) अनासक्त आस्तिक – ज्योतिष जोशी – जैनेन्द्र कुमार की जीवनी
(4) क़लम का सिपाही – शिवरानी देवी – प्रेमचन्द की जीवनी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

25. 'थर्ड जेंडर' (किन्नर) केन्द्रित रचना नहीं है –
(1) नाला सोपारा (2) यमदीप (3) रेत की मछली (4) गुलाम मंडी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

26. निम्नलिखित में से किसकी भक्ति भावना में दास्य, सख्य और मधुर का सम्मिश्रण देखने को मिलता है?
(1) कृष्णदास (2) रहीम (3) सूरदास (4) रसखान
(5) अनुत्तरित प्रश्न

27. "यदि मेरा यह अनुमान ठीक हो कि शुक–शुकी के संवाद के रूप में ही रासो लिखा गया था,............।"
'पृथ्वीराज रासो' विषयक उक्त वक्तव्य किसका है?
(1) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (2) रामकुमार वर्मा
(3) राहुल सांकृत्यायन (4) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

28. निबंध संग्रह और निबंधकार की दृष्टि से कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?
(1) त्रिशंकु – अज्ञेय (2) बबूल और कैक्टस – रामदरश मिश्र
(3) ठेले पर हिमालय – धर्मवीर भारती (4) अस्मिता के लिए – कुबेरनाथ राय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

29. 'भूषन बिनु न बिराजई कविता बनिता, मित्त।' यह ख्यात पंक्ति किस कवि–आचार्य की है?
(1) भिखारीदास (2) भूषण (3) केशवदास (4) देव
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

30. निर्गुण सन्त कवियों के संदर्भ में कौनसा कथन सही नहीं है?
(1) अधिकतर कवियों की भाषा का रूप स्थिर नहीं है।
(2) अधिकतर कवि काव्यरस या लौकिक रस के प्रति सजग नहीं रहे।
(3) अधिकतर कवियों का ध्यान जनहित की रचनाओं के साथ–साथ काव्योत्कर्ष अथवा काव्यसौष्ठव पर भी रहता था।
(4) अधिकतर सन्त कवियों की भाषा सरल और सहज है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

31. निम्नलिखित में से किस रचना में गद्य का प्रयोग नहीं हुआ है?
(1) श्रावकाचार (2) उक्तिव्यक्तिप्रकरण (3) राउलवेल (4) वर्णरत्नाकार
(5) अनुत्तरित प्रश्न

32. जार्ज ग्रियर्सन के हिंदी साहित्य के इतिहास के संदर्भ में असंगत है –
(1) इसमें कवियों का विवरण काल–क्रमानुसार दिया गया है।
(2) इसमें हिन्दी साहित्य के इतिहास के विभिन्न काल–विभाग भी किए गए हैं।
(3) इसमें वर्णित सभी कवियों के विवरण पर्याप्त विस्तार से दिए गए हैं।
(4) जायसी और तुलसी पर अलग–अलग अध्याय हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

33. काव्यरचना–पद्धति को 'रीति' मानने वाले आचार्य तथा काव्य–पंक्ति का सुमेलित विकल्प है –
(1) रीति सुभाषा कवित्त की बरनत बुध अवतार – मतिराम
(2) अपनी अपनी रीति के काव्य और कवि रीति – चिन्तामणि
(3) काव्य की रीति सिख्यौ सुकवीन्ह सौं – भिखारीदास
(4) सो विश्रब्ध नवौढ़ यों बरनत कवि रसनीति – देव
(5) अनुत्तरित प्रश्न

34. नरेश मेहता के सम्बन्ध में असंगत है –
(1) इनकी रचना 'समय–देवता' लम्बी कविता है।
(2) 'तीसरा सप्तक' के कवि हैं।
(3) 'वनपाखी! सुनो!!', 'उत्सवा', 'अरण्या' इनके कविता संग्रह हैं।
(4) प्रेम की तरह ही प्रकृति के भी कवि माने जाते हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

35. "भारतेंदु हरिश्चन्द्र का प्रभाव भाषा और साहित्य दोनों पर गहरा पड़ा। उन्होंने जिस प्रकार गद्य की भाषा को परिमार्जित करके उसे बहुत ही चलता, मधुर और स्वच्छ रूप दिया; उसी प्रकार हिन्दी साहित्य को भी नए मार्ग पर लाकर खड़ा कर दिया।" यह कथन किसका है?
(1) रामचंद्र शुक्ल (2) श्याम सुंदर दास (3) हजारी प्रसाद द्विवेदी (4) डॉ. नगेन्द्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only ~~(₹999)~~ ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

Prepp
Your Personal Exams Guide

36. निम्नलिखित में से गलत कथन है –

(1) 'भूरी–भूरी खाक धूल' मुक्तिबोध का काव्य–संकलन है।

(2) 'कामायनी एक पुनर्विचार' मुक्तिबोध की कृति है।

(3) शमशेर की कविता का आदर्श स्वयं उन्होंने लिखा है–"बात बोलेगी हम नहीं/भेद खोलेगी/बात ही।"

(4) 'काल तुझसे होड़ है मेरी' और 'धूप के धान' शमशेर के प्रसिद्ध काव्य–संकलन हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

37. सतनामी सम्प्रदाय के प्रवर्तक माने गए हैं –

(1) मोहनदास (2) पल्टूसाहब (3) जगजीवन दास (4) रज्जब

(5) अनुत्तरित प्रश्न

38. सुमित्रानंदन पंत और उनके काव्य के विषय में कौनसा कथन गलत है?

(1) 'स्वर्णधूलि' और 'उत्तरा' अरविंद–दर्शन से प्रभावित रचनाएँ हैं।

(2) 'पल्लव' और 'वीणा' में प्रकृति और मानव सौंदर्य के प्रति कवि की कला–चेतना का परिचय मिलता है।

(3) 'युगांत' और 'युगवाणी' में प्रगतिवादी चेतना का संस्पर्श है।

(4) 'लोकायतन' एक सामाजिक चेतना का काव्य है, जिसमें नारी के उत्थान की भावना का प्राधान्य है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

39. रीतिमुक्त काव्यधारा की विशेषता नहीं है –

(1) उदात्त प्रेम का निरूपण (2) भाषा का असाधारण प्रयोग

(3) आलंकारिक चमत्कार के प्रति आग्रह (4) प्रेमवर्णन में व्यथा की प्रधानता

(5) अनुत्तरित प्रश्न

40. नंददास कृत 'अनेकार्थमंजरी' किस प्रकार का ग्रंथ है?

(1) पर्याय कोश (2) नामावली कोश (3) शब्द कोश (4) विश्व कोश

(5) अनुत्तरित प्रश्न

41. निम्नलिखित में रामकाव्यधारा का कवि नहीं है –

(1) ध्रुवदास (2) ईश्वरदास (3) अग्रदास (4) प्राणचंद चौहान

(5) अनुत्तरित प्रश्न

42. "छायावाद में उसका रूप लघु की महानता का है, तीसरे दशक में लघु की महिमा का और उसके बाद की कविता में लघु के महत्त्व का है।" प्रसाद से अज्ञेय तक की संपूर्ण काव्य–यात्रा को लघु व महत् प्रत्ययों द्वारा महत् की तीन अवस्थाओं के रूप में समझाने वाले आलोचक हैं –

(1) रामदरश मिश्र (2) अज्ञेय (3) विजयदेवनारायण साही (4) लक्ष्मीकांत वर्मा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

Prepp
Your Personal Exams Guide

43. केदारनाथ अग्रवाल की काव्य शैली के संदर्भ में असंगत है –
(1) उनकी भाषा यथार्थ और छायावाद की भाषा से मिलती–जुलती है।
(2) जीवन और उससे उपजी रागात्मकता का साक्षात्कार करना उनकी कविता की विशेषता है।
(3) 'युग की गंगा' की कविताएँ मूलतः प्रगतिवादी हैं।
(4) प्रगतिवादी कवियों में वे सबसे कम कलात्मक कवि हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

44. निम्नलिखित में से कबीर को प्रभावित करने वाला विकल्प नहीं है –
(1) उत्तरपूर्व के नाथपंथ और सहजयान
(2) पश्चिम का सूफ़ी मतवाद
(3) दक्षिण का वेदांतभावित वैष्णवधर्म
(4) जैनों का शून्यवाद
(5) अनुत्तरित प्रश्न

45. वृद्ध जीवन से सम्बन्धित रचना नहीं है –
(1) समय सरगम – कृष्णा सोबती
(2) पीली आँधी – प्रभा खेतान
(3) एक जमीन अपनी – चित्रा मुदगल
(4) अन्तिम अरण्य – निर्मल वर्मा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

46. गलत कथन है –
(1) हिन्दी कविता में गंभीर हास्य–व्यंग्य का प्रयोग करने में नागार्जुन की अलग पहचान है।
(2) 'हज़ार–हज़ार बाहों वाली' और 'सतरंगे पंखों वाली' नागार्जुन के कविता संग्रह हैं।
(3) मुक्तिबोध ने फैंटेसी की तकनीक को अपनाकर हिंदी कविता को एक नवीन सर्जनात्मक दिशा दी।
(4) 'तालाब की मछलियाँ' और 'जमुन जल तुम' केदारनाथ अग्रवाल के प्रसिद्ध काव्य–संग्रह हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

47. इनमें से मार्क्सवादी आलोचक नहीं हैं –
(1) शिवदान सिंह चौहान
(2) प्रकाशचन्द्र गुप्त
(3) डॉ. देवराज
(4) रामविलास शर्मा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

48. अपने युग की केन्द्रीय रचना–वृत्ति से जुड़कर आलोचना का उदय भारतेन्दुकालीन किस सैद्धान्तिक निबन्ध से माना जाता है?
(1) बिहारी की वाग्विभूति
(2) केशव की काव्यकला
(3) नाटक
(4) कविता क्या है?
(5) अनुत्तरित प्रश्न

49. इनमें से कौनसा ग्रंथ जायसी द्वारा रचित नहीं है?
(1) अखरावट
(2) आखिरी कलाम
(3) पद्मावत
(4) रस रतन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

Prepp
Your Personal Exams Guide

50. माखनलाल चतुर्वेदी के बारे में कौनसा कथन गलत है?

(1) 'पुष्प की अभिलाषा' उनकी प्रसिद्ध कविता है।

(2) 1922 ई. तक गणेशशंकर विद्यार्थी से पूर्व चतुर्वेदी जी 'प्रताप' का सम्पादकीय कार्य करते रहे।

(3) उन्होंने अपना उपनाम 'एक भारतीय आत्मा' रखा।

(4) 'वेणु लो गूँजे धरा' उनकी कहानियों का संग्रह है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

51. जैन तीर्थङ्करों के जीवनचरित तथा वैष्णव–अवतारों की कथाएँ जैन–आदर्शों के आवरण में किस नाम से पद्यबद्ध की गईं?

(1) बेलि (2) गाहा (3) कजरी (4) रास

(5) अनुत्तरित प्रश्न

52. रचना और रचनाकार की दृष्टि से कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?

(1) मानसी – उदयशंकर भट्ट

(2) हम विषपायी जनम के – रामकुमार वर्मा

(3) मधुलिका – रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'

(4) झाँसी की रानी – सुभद्राकुमारी चौहान

(5) अनुत्तरित प्रश्न

53. इनमें से किस संप्रदाय में श्री कृष्ण का प्रमुख स्थान नहीं है, राधा ही प्रमुख है?

(1) राधावल्लभ संप्रदाय (2) वल्लभ संप्रदाय (3) निम्बार्क संप्रदाय (4) गौड़ीय संप्रदाय

(5) अनुत्तरित प्रश्न

54. केशव के संदर्भ में कौनसा कथन गलत है?

(1) केशव ओरछा नरेश के आश्रित कवि थे।

(2) केशव की भाषा मूलतः ब्रज है।

(3) केशव के सारे ग्रंथ मुक्तक काव्य हैं।

(4) केशव का महत्त्व आचार्यत्व की दृष्टि से भी है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

55. रचना और रचनाकार की दृष्टि से कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?

(1) भरत मिलाप – ईश्वरदास

(2) ध्यान मंजरी – अग्रदास

(3) हितोपदेश भाषा – रामानन्द

(4) अष्टयाम – नाभादास

(5) अनुत्तरित प्रश्न

56. कौनसा विवरण सही नहीं है?

(1) 'राउलवेल' में राउल नामक नायक का शौर्य वर्णन है।

(2) 'वसंत विलास' श्रृंगार रस का काव्य है।

(3) 'उक्तिव्यक्तिप्रकरण' में बनारस और आसपास के प्रदेशों की संस्कृति और भाषा आदि पर अच्छा प्रकाश पड़ता है।

(4) 'ढोला मारू रा दूहा' मूलतः लोकभाषा काव्य है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only ~~(₹999)~~ ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

Prepp
Your Personal Exams Guide

57. नन्ददास की 'रसमंजरी' का प्रमुख वर्ण्य–विषय है –
(1) गोपी–न्यायदर्शन
(2) भक्ति–निरूपण
(3) नायक–नायिका भेद
(4) आश्रयदाताओं की प्रशस्ति
(5) अनुत्तरित प्रश्न

58. "हिंदी के विद्वानों ने इनका मेवाड़ के रावल खुम्माण का समकालीन होना अनुमानित किया है, जो गलत है। वास्तव में इनका रचनाकाल सं. 1730 और सं. 1760 के मध्य में है।" 'खुमान रासो' के रचनाकार के विषय में उक्त अभिमत किसका है?
(1) रामकुमार वर्मा
(2) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(3) मोतीलाल मेनारिया
(4) रामचंद्र शुक्ल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

59. 'कल्पना ही उनकी कविता का मेरुदण्ड, उनकी काव्यसृष्टि का मापदण्ड' है।
नन्ददुलारे वाजपेयी का उक्त कथन किस कवि के संबंध में है?
(1) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
(2) जयशंकर प्रसाद
(3) महादेवी वर्मा
(4) सुमित्रानंदन पंत
(5) अनुत्तरित प्रश्न

60. ''शिवाजी और छत्रसाल की वीरता के वर्णनों को कोई कवि झूठी खुशामद नहीं कह सकता। वे आश्रयदाताओं की प्रशंसा की प्रथा के अनुसरण मात्र नहीं थे।'' – कवि भूषण पर यह टिप्पणी किसकी है?
(1) रामचंद्र शुक्ल
(2) विश्वनाथप्रसाद मिश्र
(3) बच्चनसिंह
(4) बाबू गुलाबराय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

61. ''सूरसागर का सबसे मर्मस्पर्शी और वाग्वैदग्ध्यपूर्ण अंश 'भ्रमरगीत' है, जिसमें गोपियों की वचन वक्रता अत्यन्त मनोहारिणी है। ऐसा सुन्दर उपालम्भ काव्य और कहीं नहीं मिलता।'' यह कथन किसका है?
(1) हरवंशलाल शर्मा
(2) रामकुमार वर्मा
(3) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(4) रामचंद्र शुक्ल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

62. (अ) हिंदी के रीतिशास्त्र का आधार पूर्ण रूप से संस्कृत काव्यशास्त्र है।
(ब) हिंदी में रीतिशास्त्र लिखनेवाले प्रत्येक लेखक ने संस्कृत काव्यशास्त्र का पूरा अध्ययन किया था।
उपर्युक्त के सन्दर्भ में सही तथ्य वाला विकल्प है –
(1) (अ), (ब) दोनों गलत
(2) (अ), (ब) दोनों सही
(3) (अ) सही, (ब) गलत
(4) (अ) गलत, (ब) सही
(5) अनुत्तरित प्रश्न

63. भारतेंदु मंडल के लेखक हैं –
(1) गया प्रसाद शुक्ल
(2) रामचरित उपाध्याय
(3) गोपाल शरण सिंह
(4) प्रताप नारायण मिश्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

Prepp
Your Personal Exams Guide

64. किस ग्रंथ में नायक–नायिका भेद का निरूपण हुआ है?
(1) ललितललाम (मतिराम)
(2) कविप्रिया (केशव)
(3) काव्य निर्णय (दास)
(4) श्रृंगार मंजरी (चिंतामणि)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

65. "संतों में अगर किसी ने छत्रबंध, मुरजबंध आदि बाह्य आलंकारिकता को आश्रय दिया, तो वे यही है।"
आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी का यह कथन दादू के किस शिष्य के बारे में है?
(1) जयगोपाल
(2) सुंदरदास
(3) जगन्नाथ
(4) खेमदास
(5) अनुत्तरित प्रश्न

66. निम्नलिखित के आधार पर सही उत्तर विकल्प चुनिए –
(अ) रंगभूमि
(ब) निर्मला
(स) प्रेमाश्रम
(द) गोदान
प्रेमचंद के इन उपन्यासों का, प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से, सही क्रम है –
(1) अ, स, ब, द
(2) अ, ब, स, द
(3) स, अ, ब, द
(4) स, ब, अ, द
(5) अनुत्तरित प्रश्न

67. "साहित्य में न हमें दूसरी राजमती मिलती है और न दूसरा बीसलदेव ही मिलता है और इसी में 'बीसलदेव रास' के कवि की सबसे बड़ी सफलता निहित है", ऐसा मानने वाले विद्वान हैं –
(1) माताप्रसाद गुप्त
(2) पीतांबरदत्त बड़थ्वाल
(3) मोतीलाल मेनारिया
(4) नरोत्तमदास स्वामी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

68. (अ) नाथपंथ के अनुयायी 'कनफटे' कहलाते हैं।
(ब) नाथपंथ ने 'शून्यवाद' के स्थान पर ईश्वर के साकार रूप को स्वीकृति दी।
(स) नाथपंथ में 'अलख निरंजन' का महत्त्व बताया गया है।
(द) नाथपंथ पर बौद्ध धर्म का किंचित भी प्रभाव नहीं था।
उपर्युक्त कथनों के आधार पर सही विकल्प है –
(1) (अ) और (स) दोनों सही
(2) (ब) और (स) दोनों सही
(3) (अ) और (ब) दोनों सही
(4) (स) और (द) दोनों सही
(5) अनुत्तरित प्रश्न

69. "श्रृंगार रस के ग्रंथों में जितनी ख्याति और जितना मान 'बिहारी सतसई' का हुआ, उतना और किसी का नहीं।"
यह कथन किसका है?
(1) ग्रियर्सन
(2) नगेन्द्र
(3) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(4) रामचन्द्र शुक्ल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only ~~(₹999)~~ ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

Prepp
Your Personal Exams Guide

70. राहुल सांकृत्यायन ने सरहपा का समय माना है –

(1) नवीं शताब्दी का सत्तर का दशक
(2) सातवीं शताब्दी का अंतिम दशक
(3) आठवीं शताब्दी के साठ का दशक
(4) सातवीं शताब्दी के साठ का दशक
(5) अनुत्तरित प्रश्न

71. किस संग्रह में स्त्री रचनाकार नहीं है?

(1) तार सप्तक
(2) दूसरा सप्तक
(3) चौथा सप्तक
(4) तीसरा सप्तक
(5) अनुत्तरित प्रश्न

72. निर्गुण परम्परा के सर्वाधिक शिक्षित संत सुन्दरदास के सम्बन्ध में असंगत है –

(1) ठेठ राजस्थानी भाषा में कविता
(2) ज्ञान समुद्र ग्रन्थ
(3) श्रृंगार रस की रचनाओं का विरोध
(4) सुन्दर विलास ग्रन्थ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

73. पत्र और उनके प्रकाशन स्थल की दृष्टि से सुमेलित नहीं है –

(1) हिंदी – प्रदीप – बनारस
(2) ब्राह्मण – कानपुर
(3) आनन्द कादम्बिनी – मिर्जापुर
(4) हिंदोस्थान – कालाकांकर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

74. "इस पुस्तक में मेरी अंतर्यात्रा में पड़ने वाले कुछ प्रदेश हैं। यात्रा के लिए निकलती रही है बुद्धि पर हृदय को साथ लेकर।" अपनी निबंध कला के विषय में उक्त स्वीकारोक्ति किसकी है?

(1) विद्यानिवास मिश्र
(2) कुबेरनाथ राय
(3) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(4) रामचंद्र शुक्ल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

75. "सिद्धों की सीधी–सादी भाषा को भी लोगों ने खींचातानी करके दृष्टकूट बना उनकी भाषा को 'संध्याभाषा' बना डाला।" यह कथन किसका है?

(1) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(2) राहुल सांकृत्यायन
(3) रामचंद्र शुक्ल
(4) रामकुमार वर्मा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

76. आलम के व्यक्तित्व और कृतित्व के विषय में गलत कथन है –

(1) इनके कवित्त–सवैयों में रीति–परंपरा के गुण भी कुछ–कुछ मिल जाते हैं।
(2) इनका काव्य स्थूल वस्तु–प्रधान है।
(3) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने प्रबन्धकार व मुक्तककार आलम को एक ही व्यक्ति माना है।
(4) आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने प्रबंधकार आलम और मुक्तककार आलम को पृथक्–पृथक् माना है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only ~~(₹999)~~ ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

Prepp
Your Personal Exams Guide

77. छायावाद के सन्दर्भ में असत्य कथन है –
(1) छायावादी काव्य की अभिव्यंजना पद्धति नवीनता और ताज़गी लिये हुए है।
(2) काव्यरूपों की दृष्टि से छायावादयुगीन काव्य अत्यन्त समृद्ध है।
(3) माखनलाल चतुर्वेदी छायावाद की राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा के प्रमुख कवि माने जाते हैं।
(4) छायावादी काव्य विषयनिष्ठ व वर्णन प्रधान है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

78. श्यामनारायण पाण्डेय की रचना नहीं है –
(1) प्रताप (2) आरती (3) जौहर (4) तुमुल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

79. 'प्राकृत पैंगलम्' में निम्नलिखित में से किस रचना के कुछ छंद मिले थे, जिनके आधार पर आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने इसके अस्तित्व की कल्पना की?
(1) बीसलदेव रासो (2) परमाल रासो (3) हम्मीर रासो (4) पृथ्वीराज रासो
(5) अनुत्तरित प्रश्न

80. कौनसा युग्म सुमेलित नहीं है?
(1) नयी समीक्षा के प्रतिमान – निर्मला जैन
(2) भारतीय सौंदर्यशास्त्र की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
(3) अथातो सौंदर्य जिज्ञासा – रमेश कुंतल मेघ
(4) नयी कविता : शक्ति और सीमा – लक्ष्मीकांत वर्मा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

81. 'माटी की मूरतें', 'कला के हस्ताक्षर', 'दस तस्वीरें', किस विधा की रचनाएँ हैं?
(1) उपन्यास (2) रेखाचित्र (3) जीवनी (4) निबन्ध
(5) अनुत्तरित प्रश्न

82. रघुवीर सहाय का काव्य संग्रह नहीं है –
(1) हँसो, हँसो, जल्दी हँसो (2) आत्महत्या के विरुद्ध
(3) कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ (4) घाटी का आखिरी आदमी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

83. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी विषयक कौनसी स्थापना आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की नहीं है?
(1) उन्होंने संस्कृत वृत्तों का व्यवहार अधिक किया है।
(2) उनके कारण भाषा में बहुत कुछ सफाई आयी।
(3) इनकी अधिकतर कविताएँ इतिवृत्तात्मकता से रहित थीं।
(4) उनका जोर बराबर इस बात पर रहता था कि कविता बोलचाल की भाषा में होनी चाहिए।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

Prepp
Your Personal Exams Guide

84. मैथिलीशरण गुप्त के बारे में असंगत है –

(1) क्लिष्ट खड़ी बोली में काव्य रचना
(2) राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत रचनाओं का सृजन
(3) हिन्दी के जातीय मात्रिक छन्दों का प्रयोग
(4) गृहस्थ जीवन में प्रचलित आख्यानों की रचना
(5) अनुत्तरित प्रश्न

85. रीतिमुक्त काव्य के संदर्भ में गलत तथ्य है –

(1) यह काव्य निजी प्रेमानुभूति पर आधारित है।
(2) इसकी सभी रचनाएँ मुक्तक रूप में हैं।
(3) इसका श्रृंगार रीतिबद्ध श्रृंगार से भिन्न स्वच्छंद और उदात्त भावना का पोषक है।
(4) मूलतः इसका विषय श्रृंगार ही है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

86. विधा की दृष्टि से कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?

(1) आपका बंटी – मन्नू भंडारी – आधुनिकता बोध का उपन्यास
(2) आधा गाँव – राही मासूम रज़ा – आंचलिक उपन्यास
(3) कचनार – वृन्दावन लाल वर्मा – ऐतिहासिक उपन्यास
(4) संन्यासी – इलाचंद्र जोशी – धार्मिक उपन्यास
(5) अनुत्तरित प्रश्न

87. इनमें से भीष्म साहनी द्वारा रचित नाटक नहीं है –

(1) माधवी
(2) कबिरा खड़ा बाजार में
(3) हानूश
(4) देहान्तर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

88. 'योगचर्या' व 'डोम्बिगीतिका' ग्रंथ कौनसे सिद्ध कवि द्वारा रचित माने गए हैं?

(1) डोम्भिपा
(2) कण्हपा
(3) कुक्कुरिपा
(4) सरहपा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

89. "शायद कविता के रूढ़िबद्ध संकीर्ण लक्षण को लेने पर कबीर की तरह सिद्धों की कविता भी कविता न गिनी जाए या कम–से–कम अच्छी कविता न समझी जाए; लेकिन............उन्हें कविता मानना ही पड़ेगा।"
सिद्ध साहित्य के संदर्भ में उक्त कथन किसका है?

(1) राहुल सांकृत्यायन
(2) पीतांबरदत्त बड़थ्वाल
(3) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(4) रामकुमार वर्मा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

90. इनमें से कौनसा ग्रंथ भूषण द्वारा रचित नहीं है?

(1) शिवा बावनी
(2) शिवराज भूषण
(3) अलंकार पंचाशिका
(4) छत्रसाल दशक
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

Prepp
Your Personal Exams Guide

91. रचना व रचनाकार की दृष्टि से असंगत विकल्प है –
(1) शेष कादम्बरी – अलका सरावगी
(2) मैं बोरिशइल्ला – महुआ माजी
(3) शिगाफ़ – मनीषा कुलश्रेष्ठ
(4) रेत – गीतांजलि श्री
(5) अनुत्तरित प्रश्न

92. रचनाकार और रचना की दृष्टि से कौन–सा विकल्प सुमेलित नहीं है?
(1) श्रीपति – सरोजकलिका
(2) लालकवि – जनकपचीसी
(3) आलम – आलमकेलि
(4) याकूब खाँ – रसभूषण
(5) अनुत्तरित प्रश्न

93. "दसरथ सुत तिहुँ लोक बखाना।
राम नाम का मरम है आना।।" किस कवि की पंक्ति है?
(1) तुलसीदास
(2) कबीरदास
(3) केशवदास
(4) रामानन्द
(5) अनुत्तरित प्रश्न

94. नाटक और नाटककार की दृष्टि से कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?
(1) अमृत पुत्री – हरिकृष्ण प्रेमी
(2) कर्फ्यू – लक्ष्मीनारायण मिश्र
(3) अंधा युग – धर्मवीर भारती
(4) आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश
(5) अनुत्तरित प्रश्न

95. इनमें से मतिराम–रचित ग्रंथ कौनसा है?
(1) आनन्द विलास
(2) भाव विलास
(3) फूलमंजरी
(4) श्रृंगार मंजरी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

96. नाभादासकृत भक्तमाल के अनुसार, रामानंद के प्रमुख शिष्यों की संख्या मानी जाती है –
(1) नौ
(2) ग्यारह
(3) बारह
(4) आठ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

97. दिनकर के बारे में असंगत है –
(1) दिनकर की प्रगतिशीलता राष्ट्रीय भावना से परिचालित है।
(2) दिनकर के कुछ काव्य–ग्रन्थ आधुनिक बोध अर्थात् सामयिकता पर चिन्तनपूर्ण सामग्री देते हैं।
(3) 'उर्वशी' काव्य दिनकर की दृष्टि में काम के उन्नयन की भूमि पर प्रतिष्ठित कामाध्यात्म का संश्लिष्ट चित्र प्रस्तुत करता है।
(4) 'कुरुक्षेत्र' हमारे देश के छठे दशक की भावचेतना को चुनौती देने वाली रचना है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

98. 'बिल्लेसुर बकरिहा' नामक रेखाचित्र के रचयिता हैं –
(1) निराला
(2) अमृतराय
(3) विनय मोहन शर्मा
(4) प्रकाश चंद्र गुप्त
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

99. "शुक्ल जी ने प्रथम बार हिंदी–साहित्य के इतिहास को कविवृत्तसंग्रह की पिटारी से बाहर निकाला। पहली बार उसमें श्वासोच्छ्वास का स्पंदन सुनाई पड़ा।" यह मत किसका है?

(1) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
(2) आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
(3) डॉ. रामकुमार वर्मा
(4) डॉ. नगेंद्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

100. नाटक और नाटककार की दृष्टि से कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?

(1) राज्यश्री – जयशंकर प्रसाद
(2) सेनापति ऊदल – वृंदावनलाल वर्मा
(3) कोणार्क – रामकुमार वर्मा
(4) अंजो दीदी – उपेंद्र नाथ अश्क
(5) अनुत्तरित प्रश्न

101. "उनकी रचनाओं का जीवन की स्वाभाविक सरणियों, अनुभूतियों और दशाओं से कोई संबंध नहीं।" शुक्ल जी का यह कथन किनके संदर्भ में है?

(1) जैन कवियों और सिद्धों
(2) केवल जैन कवियों
(3) जैन कवियों, सिद्धों और योगियों
(4) सिद्धों और योगियों
(5) अनुत्तरित प्रश्न

102. आदिकालीन जैन साहित्य विषयक असंगत तथ्य है –

(1) जैन साहित्य में मुख्यतः शांत रस का वर्णन है।
(2) आदिकालीन जैन रचनाकारों की हिन्दी, अर्धमागधी से अधिक प्रभावित थी।
(3) जैन साहित्य का एक रूप 'टब्बा' कहा जाता है।
(4) जैन साहित्य में श्रृंगार रस का भी वर्णन मिलता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

103. 'मधुमालती' नामक सूफी ग्रंथ के बारे में कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) मधुमालती का नायक मधुमालती की प्राप्ति के साथ ही प्रेमा के प्रणय–प्रस्ताव को भी स्वीकार कर लेता है।
(2) इसकी रचना कवि मंझन ने की थी।
(3) मधुमालती काव्य में कवि का लक्ष्य प्रायः प्रेम के उच्च एवं उदात्त स्वरूप की व्यंजना करना रहा है।
(4) मधुमालती में नायक–नायिका के पूर्व जन्म के प्रणय संस्कारों की महत्ता दिखाई गई है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

104. हिन्दी के रीतिकालीन कवियों की स्त्रोत–सामग्री की दृष्टि से असंगत विकल्प है –

(1) श्रृंगार रस और नायक–नायिका भेद के लिए भानुदत्त की 'रसमंजरी' का सहारा लिया।
(2) इन्होंने रीति निरूपण के लिए ध्वनि परवर्ती उन्हीं आचार्यों को अपना आधार बनाया, जिनके ग्रंथ सुबोध थे।
(3) छन्द विवेचन के लिए 'रस तरंगिणी' का आश्रय मुख्यतः लिया।
(4) सर्वांग विवेचन हेतु 'काव्य–प्रकाश' एवं 'साहित्य–दर्पण' का सहारा मुख्यतः लिया गया।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

Prepp
Your Personal Exams Guide

105. ''बिहारी के बहुत–से दोहे ''आर्या सप्तशती'' और ''गाथा सप्तशती'' की छाया लेकर बने हैं।'' कथन किसका है?

(1) डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
(2) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(3) डॉ. माताप्रसाद गुप्त
(4) डॉ. नगेन्द्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

106. हिंदी सूफी काव्य के संदर्भ में कौनसा कथन गलत है?

(1) किसी भी प्रेमाख्यान को शुद्ध पौराणिक या शुद्ध ऐतिहासिक नहीं कहा जा सकता।
(2) सूफी काव्य में वर्णित कथानक–रूढ़ियों का मूल स्त्रोत अरबी–फारसी का साहित्य है।
(3) सूफी काव्य में ऐतिहासिक या अर्ध ऐतिहासिक कथानकों में ऐतिहासिकता को सुरक्षित रखने की भावना का अभाव है।
(4) काव्यत्व की दृष्टि से इनकी कथावस्तु में स्वाभाविकता की अपेक्षा वैचित्र्य की ही प्रमुखता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

107. इनमें से कौनसा ग्रंथ आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का लिखा हुआ नहीं है?

(1) हिन्दी साहित्य–तीन भाग
(2) हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास
(3) हिंदी साहित्य की भूमिका
(4) हिंदी साहित्य का आदिकाल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

108. जयशंकर प्रसाद और उनके काव्य के विषय में असंगत है –

(1) 'प्रलय की छाया' में प्रसाद ने मुक्त छन्द में ऐतिहासिक प्रसंगों की शक्तिशाली और मार्मिक अवतारणा की है।
(2) 'कामायनी' में बुद्धिवाद का विरोध और हृदय तत्त्व की प्रतिष्ठा है।
(3) 'पेशोला की प्रतिध्वनि' में करुणा और विरक्ति का प्राधान्य है।
(4) मनु आदि पात्रों के ऐतिहासिक व्यक्तित्व को उन्होंने प्रधान माना है, हाँ उनके सांकेतिक अर्थ में उन्हें कोई आपत्ति नहीं है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

109. धर्मवीर भारती के व्यक्तित्व और कृतित्व के विषय में गलत विवरण है –

(1) उनके काव्य की बहुत बड़ी विशेषता है–उसकी मूर्तता और पारदर्शिता।
(2) 'सात गीत वर्ष' की समस्त कविताओं में यही कैशोर भावुकता व्याप्त है।
(3) वे कवि के साथ–साथ कथाकार, नाटककार, समीक्षक, संपादक आदि रूपों में प्रतिष्ठित हैं।
(4) उनकी आरंभ की कविताएँ बहुत–कुछ कैशोर भावुकता से युक्त हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only ~~(₹999)~~ ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

Prepp
Your Personal Exams Guide

110. प्रसाद की 'प्रलय की छाया', निराला की 'राम की शक्तिपूजा' और पंत की 'परिवर्तन' शीर्षक कविताओं में कथ्य की दृष्टि से प्रमुख समानता है –
(1) जीवन की नश्वरता का विवेचन
(2) जीवन की विभीषिका का वर्णन
(3) जीवन के मूर्त–स्थूल आख्यानों एवं प्रकृति की परिवर्तनशीलता का चित्रण
(4) अहिंसा का प्रत्याख्यान
(5) अनुत्तरित प्रश्न

111. "दूसरी बात इस आदिकाल के संबंध में ध्यान देने की यह है कि इस काल की जो साहित्यिक सामग्री प्राप्त है, उसमें कुछ तो असंदिग्ध है और कुछ संदिग्ध है।" यह कथन किसका है?
(1) रामचंद्र शुक्ल (2) नगेन्द्र (3) विजयेन्द्र स्नातक (4) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

112. 'पद्मावत' के सम्बन्ध में असंगत है –
(1) 'पद्मावत' के अधिकतर पात्र दार्शनिक तत्त्वों के प्रतीक भी माने गये हैं।
(2) पद्मावत में भारतीय दर्शन, ज्योतिष, कामशास्त्र, बागवानी आदि के परम्परागत ज्ञान का गुंफन चेष्टापूर्वक किया गया है।
(3) 'पद्मावत' में कथा–काव्य की रूढ़ियों का प्रयोग नहीं हुआ है।
(4) कवित्व एवं भाव व्यंजना की दृष्टि से 'पद्मावत' एक उच्च कोटि का काव्य है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

113. रीति कविता में निम्नलिखित में से कौनसी प्रवृत्ति मुख्यतः मानी जाती है?
(1) राजप्रशस्ति (2) नीति (3) भक्ति (4) श्रृंगारिकता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

114. कौनसा विवरण सही नहीं है?
(1) हिंदी रीतिशास्त्री प्रमुखतः संस्कृत के अलंकार, रस और ध्वनि संप्रदाय के अनुयायी हैं।
(2) रीति और वक्रोक्ति सिद्धांतों के आधार पर हिंदी में कुछ भी नहीं लिखा गया।
(3) अलंकार संप्रदाय के अनुयायियों में जसवंतसिंह, मतिराम भूषण, दूलह, पद्माकर आदि प्रमुख हैं।
(4) देव, तोष, दास आदि रस संप्रदाय के अनुयायी हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

115. "सुमित्रानंदन पंत के 'पल्लव' का 'प्रवेश' (1926 ई.) नये सृजन का ही नहीं बल्कि आलोचना के नये मूल्यों का भी पहला प्रभावशाली घोषणा–पत्र है।" छायावादी कवियों की आलोचना पर विचार करते हुए यह कथन किस ख्यात आलोचक का है?
(1) डॉ. नगेंद्र (2) शांतिप्रिय द्विवेदी (3) नंददुलारे वाजपेयी (4) डॉ. निर्मला जैन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

Prepp
Your Personal Exams Guide

116. "कबीर मस्तमौला थे। जो कुछ कहते थे, साफ कहते थे। जब मौज में आकर रूपक और अन्योक्तियों पर उतर आते थे तब जो कुछ कहते थे, वह सनातन कवित्व का श्रृंगार होता था।"
कबीरदास के संबंध में यह विचार किसके हैं?
(1) हजारी प्रसाद द्विवेदी (2) विश्वनाथप्रसाद मिश्र (3) रामविलास शर्मा (4) पुरुषोत्तम अग्रवाल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

117. अनामिका की रचना नहीं है –
(1) कविता में औरत (2) सांकलों में कैद क्षितिज
(3) खुरदुरी हथेलियाँ (4) गलत पते की चिट्ठी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

118. सेनापति के बारे में कौनसा कथन गलत है?
(1) सेनापति 'यमक' अलंकार के प्रयोग के कारण विशेष रूप से ख्यात हैं।
(2) रामकथा के आकर्षक प्रसंग लेकर भी इन्होंने रचना की है।
(3) सेनापति ने ऋतु वर्णन में अपनी प्रत्यक्ष अनुभूति अथवा साक्षात् ज्ञान का सहारा अधिक लिया है।
(4) सेनापति की एक महत्त्वपूर्ण रचना 'कवित्तरत्नाकर' है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

119. निम्नलिखित में से सर्वांग निरूपक आचार्य कौन थे?
(1) तोष (2) देव (3) पद्माकर (4) मतिराम
(5) अनुत्तरित प्रश्न

120. "ये ऊहा के बल पर कारीगरी के मजमून बाँधने के प्रयासी कवि न थे। हृदय की सच्ची स्वाभाविक प्रेरणा इनमें थी।"
– आ. रामचंद्र शुक्ल की यह टिप्पणी किस रीतिकालीन कवि के लिए है?
(1) घनानन्द (2) पद्माकर (3) कुलपति मिश्र (4) सेनापति
(5) अनुत्तरित प्रश्न

121. इनमें से कौनसा ग्रंथ कवि देव–रचित नहीं है?
(1) रसप्रबोध (2) अष्टयाम (3) भवानी विलास (4) सुख सागर तरंग
(5) अनुत्तरित प्रश्न

122. 'परमालरासो' लोक में किस अन्य नाम से भी जाना जाता है?
(1) ढोला मारू रा दूहा (2) आल्हखंड (3) वसंत विलास (4) जयचंद प्रकाश
(5) अनुत्तरित प्रश्न

123. आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने अपने इतिहास ग्रंथ में तुलसीदास द्वारा रचित ग्रंथों की संख्या कितनी मानी है?
(1) सोलह (2) बारह (3) दस (4) नौ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

Prepp
Your Personal Exams Guide

124. इनमें से कौनसा ग्रंथ केशवदास रचित नहीं है?
(1) रसिक प्रिया (2) छन्द प्रकाश (3) विज्ञान गीता (4) रतन बावनी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

125. 'पार्वती मंगल' के विषय में असंगत तथ्य है –
(1) यह पद–शैली में रचित है।
(2) अवधी में रचित है।
(3) इसका विषय शिव–पार्वती विवाह है।
(4) इसकी कथा 'रामचरितमानस' में वर्णित शिव विवाह की कथा से कुछ भिन्न है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

126. "मोटे हिसाब से वीरगाथाकाल महाराज हम्मीर के समय तक ही समझना चाहिए।" उक्त कथन किसका है?
(1) रामकुमार वर्मा (2) हजारी प्रसाद द्विवेदी (3) मिश्रबन्धु (4) रामचन्द्र शुक्ल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

127. कृति और कृतिकार की दृष्टि से कौनसा विकल्प असंगत है?
(1) सूर साहित्य – हजारी प्रसाद द्विवेदी (2) रीतिकाव्य की भूमिका – नगेन्द्र
(3) सिद्धांत और अध्ययन – गुलाबराय (4) कछुआ धर्म – रामविलास शर्मा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

128. रामानन्दी परंपरा से सम्बद्ध नहीं है –
(1) परशुराम देवाचार्य (2) रसिक सम्प्रदाय (3) रामस्नेही सम्प्रदाय (4) गलता गद्दी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

129. रचना और रचनाकार की दृष्टि से सुमेलित नहीं है –
(1) हवाएँ चुप नहीं रहती – वेणुगोपाल (2) रात अब भी मौजूद है – लीलाधर जगूड़ी
(3) घबराए हुए शब्द – आलोक धन्वा (4) तत्पुरुष – अशोक वाजपेयी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

130. निम्नलिखित में से किस इतिहास–लेखक ने रीतिकालीन काव्य को तीन श्रेणियों–रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त–में विभाजित किया है?
(1) मिश्रबंधु (2) रामचंद्र शुक्ल (3) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (4) रामकुमार वर्मा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

131. विजयदेव नारायण साही के सम्बन्ध में असंगत है –
(1) अपनी लंबी कविताओं में साही ने मुक्तिबोध की तरह ही फैंटेसी का इस्तेमाल किया है।
(2) दूसरा सप्तक के कवि हैं।
(3) 'मछलीघर', 'साखी' इनके कविता संग्रह हैं।
(4) साही की असंकलित कविताओं का संग्रह है 'संवाद तुमसे', जो उनके मरणोपरान्त प्रकाशित हुआ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

Prepp
Your Personal Exams Guide

132. "यह केवल राजनीतिक संघर्ष का काल नहीं था, केवल सामाजिक शक्तियों के एक–दूसरे से टकराने का भी समय नहीं था, बल्कि एक नवीन युग के जन्म लेने का समय था।" आधुनिक काल की पृष्ठभूमि पर उक्त विचार किसके हैं?

(1) नंददुलारे वाजपेयी (2) रामचंद्र शुक्ल (3) हजारी प्रसाद द्विवेदी (4) डॉ. नगेंद्र

(5) अनुत्तरित प्रश्न

133. चहहु जु साँचहु निज कल्याण, तौ सब मिलि भारत संतान।
जपो निरंतर एक जबान, हिन्दी हिन्दू हिन्दुस्तान।। – ये किसके द्वारा लिखी पंक्तियाँ हैं?

(1) राधाचरण गोस्वामी (2) प्रतापनारायण मिश्र

(3) राधाकृष्णदास (4) भारतेन्दु हरिश्चंद्र

(5) अनुत्तरित प्रश्न

134. 'मेरी कैलाश यात्रा' के लेखक हैं –

(1) श्रीधर पाठक (2) रामवृक्ष बेनीपुरी

(3) लोचन प्रसाद पाण्डेय (4) स्वामी सत्यदेव परिव्राजक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

135. रचना–रचनाकार युग्म सुमेलित कीजिए –

रचना	रचनाकार
(अ) वे सोये तो नहीं होंगे	(i) हरीश भादानी
(ब) घबराए हुए शब्द	(ii) अनुज लुगुन
(स) अपना ही आकाश बुनूँ मैं	(iii) लीलाधर जगूड़ी
(द) पत्थलगड़ी	(iv) नंद चतुर्वेदी

विकल्प –

(1) (अ)–(iii), (ब)–(ii), (स)–(iv), (द)–(i) (2) (अ)–(iii), (ब)–(iv), (स)–(ii), (द)–(i)

(3) (अ)–(iv), (ब)–(i), (स)–(ii), (द)–(iii) (4) (अ)–(iv), (ब)–(iii), (स)–(i), (द)–(ii)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

136. निम्नलिखित में से हिंदी जैन चरित काव्यों की विषयवस्तु के संबंध में असंगत है –

(1) पौराणिक पात्रों का वर्णन

(2) धार्मिक प्रतिज्ञाओं का पालन करने वाले पात्र

(3) लोककथाओं के प्रसिद्ध पात्रों का वर्णन

(4) परंपरा से प्राप्त कथानकों की उपेक्षा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

137. चरणदासी सम्प्रदाय का अन्य नाम है –

(1) शुक सम्प्रदाय (2) गूदड़ पंथ (3) लाल पंथ (4) अलखिया सम्प्रदाय

(5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only ~~(₹999)~~ ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

Prepp
Your Personal Exams Guide

138. अमीर खुसरो के बारे में कौनसा कथन गलत है?

(1) अमीर खुसरो की रचनात्मक सक्रियता का काल ईसा की तेरहवीं–चौदहवीं शताब्दी माना जाता है।

(2) फारसी के विद्वान् होते हुए भी उन्होंने हिंदी की उपेक्षा नहीं की।

(3) 'खालिकबारी' खुसरो की प्रसिद्ध रचना है।

(4) अमीर खुसरो प्रसिद्ध सूफी संत मोइनुद्दीन चिश्ती के शिष्य थे।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

139. रीति निरूपण के क्षेत्र में आलोचक दृष्टि एवं मौलिक चिन्तन किस कवि के विवेचन की महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ कही जा सकती हैं?

(1) मतिराम (2) भिखारीदास (3) देव (4) केशवदास

(5) अनुत्तरित प्रश्न

140. रचना और रचनाकार की दृष्टि से कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?

(1) आत्महत्या के विरुद्ध – रघुवीर सहाय

(2) संशय की एक रात – नरेश मेहता

(3) अरण्या – अज्ञेय

(4) सात गीत वर्ष – धर्मवीर भारती

(5) अनुत्तरित प्रश्न

141. "हिन्दी के रीति ग्रन्थों में प्रायः तीन प्रकार की निरूपण शैली काम में लाई गयी है–काव्यप्रकाश की निरूपण शैली, श्रृंगार तिलक, रसमंजरी आदि की श्रृंगार रसमयी नायिकाओं वाली शैली और चन्द्रालोक की संक्षिप्त अलंकार निरूपण शैली।" रीति ग्रन्थों की निरूपण शैली विषयक उपर्युक्त वर्गीकरण निम्नलिखित में से किस आलोचक ने रीति काव्य की भूमिका को स्पष्ट करते हुए किया है?

(1) डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

(2) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

(3) डॉ. नगेन्द्र

(4) डॉ. विजयपाल सिंह

(5) अनुत्तरित प्रश्न

142. 'सरस्वती' और महावीर प्रसाद द्विवेदी के बारे में कौनसा कथन गलत है?

(1) द्विवेदी जी स्वीकृत सिद्धान्तों के आधार पर हिन्दी को परिमार्जित करने में लगे रहते थे।

(2) सरस्वती में हिन्दी से इतर भाषाओं के अनुवाद छापने की मनाही थी।

(3) सन् 1903 में महावीर प्रसाद द्विवेदी ने सरस्वती पत्रिका के संपादन का दायित्व ग्रहण किया।

(4) द्विवेदी जी शिष्य कवियों की रचनाओं में बेखटके कलम चलाते थे।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

143. 'एक पतंग अनन्त में' किस कवि की रचना है?

(1) आलोक धन्वा (2) नन्द चतुर्वेदी (3) अरुण कमल (4) अशोक वाजपेयी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only ~~(₹999)~~ ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

Prepp
Your Personal Exams Guide

144. 'सखी संप्रदाय' के विषय में असंगत है –

(1) इसके अनुसार प्रेमसागर पार करने के लिए ज्ञान की अनिवार्यता है।
(2) इसमें सगुण कृष्ण की सखी–भावना से उपासना की जाती है।
(3) यह निंबार्क मत की एक अवांतर शाखा है।
(4) इसके संस्थापक स्वामी हरिदास थे।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

145. 'आलोचना' पत्रिका का प्रकाशन वर्तमान में कहाँ से होता है?

(1) दिल्ली (2) वाराणसी (3) आगरा (4) इलाहाबाद
(5) अनुत्तरित प्रश्न

146. "मेरी गद्य भंगिमा पर शेक्सपियर के मनमौजी और उच्छृंखल गद्य का तथा रवींद्रनाथ के मनमौजी, परंतु शालीन गद्य का संयुक्त प्रभाव पड़ा है।" अपने निबंध विधान के संबंध में उक्त वक्तव्य किसका है?

(1) कुबेरनाथ राय (2) विद्यानिवास मिश्र
(3) हजारी प्रसाद द्विवेदी (4) रामदरश मिश्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

147. 'शिवराज–भूषण' किस विषय का ग्रन्थ है?

(1) श्रृंगार (2) रस (3) अलंकार (4) नायिका भेद
(5) अनुत्तरित प्रश्न

148. "एक ही कवि विद्यापति ने दो प्रकार की भाषा का व्यवहार किया है–पुरानी अपभ्रंश भाषा का और बोलचाल की देशी भाषा का।" उक्त कथन किसका है?

(1) मिश्रबंधु (2) हजारी प्रसाद द्विवेदी (3) रामचंद्र शुक्ल (4) राहुल सांकृत्यायन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

149. 'स्मृति लेखा' संस्मरणात्मक पुस्तक के लेखक हैं –

(1) अज्ञेय (2) मन्मथनाथ गुप्त (3) जैनेन्द्र (4) कृष्णदत्त पालीवाल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

150. किस विकल्प में निहित रीतिकालीन कवियों की मूल प्रवृत्ति श्रृंगारिक नहीं रही?

(1) गोप, रसरूप, सेवादास (2) ठाकुर, बोधा, आलम
(3) देव, पद्माकर, मतिराम (4) भिखारीदास, चिंतामणि, कुलपति
(5) अनुत्तरित प्रश्न

Prepp+ Subscription
Only ~~(₹999)~~ ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

रफ कार्य के लिए जगह

Prepp+ Subscription
Only ~~(₹999)~~ ₹249/year
500+ Exams
1 Year Full Access
50,000+ Mock tests
10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER